मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 17 अप्रैल 2018

संस्कृति को विकास के साथ जोड़ने के संस्थागत प्रयास करने की ज़रूरत हैः यूजीसी अध्यक्ष

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग :यूजीसीः के अध्यक्ष प्रो. डी पी सिंह ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया :जेएमआईः और न्यूज़ीलैंड के वाईकातो विश्वविद्यालय के अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग पर खुशी जताते हुए में आज कहा कि संस्कृति को विकास के साथ जोड़ने के लिए संस्थागत प्रयास करने की ज़रूरत है।

भारत में न्यूज़ीलैंड की उच्चायुक्त सुश्री जोआना केमपकर्स, जेएमआई के वाइस चांसलर प्रो. तलत अहमद और दोनों विश्वविद्यालयों के अन्य उच्च अधिकारियों एवं छात्रों की उपस्थिति में उन्होंने कहा कि यह बहुत संतोष की बात है कि दोनों विश्वविद्यालयों ने मिल कर अनुसंधान में सहयोग ही नहीं किया बल्कि उसके नतीजों को विश्व के एक जाने माने प्रशासक आक्सफोर्ड ने उसे किताब की शक्ल में प्रकाशित भी किया।

उन्होंने '' इंडिया मीडिया इकोनॉमी '' शीर्षक से दो खंडों में प्रकाशित इस किताब का लोकापर्ण भी किया।

जेएमआई के सेंटर फॉर कल्चर, मीडिया एंड गर्वनेंस :सीसीएमजीः द्वारा '' भारत में रचनात्मक उद्योग एवं अर्थव्यवस्था के मानचित्रण '' पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के अपने संबोधन में प्रो सिंह ने संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि दो दशक पहले ही इसमें रचनात्मक

अर्थव्यवस्था को विकास, रोज़गार सृजन और निर्यात का इंजन बता कर इसकी महता को रेखांकित किया गया था।

जेएमआई के वाइस चांसलर प्रो अहमद ने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में, दोनों विश्विद्यालयों के इस संयुक्त अनुसंधान का प्रभाव दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि भारत की रचनात्मक और सांस्कृतिक विरासत को ताज महल, आगरा और जयपुर तक सीमित न रखकर उसे और भी आगे ले जाने की ज़रूरत है जिसमें भारत के अन्य क्षेत्रों में किए गए गौरवशाली योगदान को दुनिया के सामने लाया जा सके।

न्यूज़ीलैंड की उच्चायुक्त ने अपने देश के मशहूर फिल्म उद्योग का उल्लेख करते हुए बताया कि भारत की 130 फिल्मों की शूटिंग उनके मुल्क में हुई है। उन्होंने कहा कि बालीवुड और न्यूज़ीलैंड के फिल्म उद्योग में आपसी सहयोग को और अधिक आगे ले जाने की काफी गुंजाइश है।

सीसीएमजी के निदेशक प्रो बिस्वाजीत दास ने अपने धन्यवाद संबोधन में कहा कि दोनों विश्वविद्यालयों के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की असीम संभावनाएं हैं।

एशियन हैरिटेज फाउंडेशन के अध्यक्ष पद्म भूषण राजीव सेठी सम्मेलन के मुख्य अतिथि थे।

प्रोफेसर साइमा सईद

मीडिया कोऑर्डनैटर